Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिगंरौली कोलियरी,
जिला- सिगंरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro.ncl@coalindia.inwebsite : www.nclcil.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

एनसीएल/ जनसम्पर्क/प्रेस विज्ञप्ति/2017-18/05 दिनांक - 03.04.17

प्रेस विज्ञप्ति

अब 90 मिलियन टन का लक्ष्य भेदना है: श्री तापस कुमार नाग

एनसीएल मुख्यालय में पत्रकारों से मुखातिब हुए कंपनी के सीएमडी

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री तापस कुमार नाग ने कहा है कि वित्त वर्ष 2016-17 में कंपनी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए नए वित्त वर्ष 2017-18 में एनसीएल को एक बार फिर बड़े लक्ष्य दिए गए हैं। वित्त वर्ष 2017-18 में एनसीएल को 90 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने, 90 मिलियन टन कोयला डिस्पैच (प्रेषण) करने तथा 355 मिलियन क्यूबिक मीटर अधिभार (ओबी) हटाने के लक्ष्य दिए गए हैं, जो किसी वित्त वर्ष के लिए कंपनी को दिए गए अब तक के सबसे बड़े लक्ष्य हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि ठोस योजनाओं, सधी हुई श्रमशक्ति, कामगारों की निष्ठा, समर्पण तथा टीम वर्क की बदौलत एनसीएल नए वित्त वर्ष में भी समय रहते इन लक्ष्यों को पूरा करते हुए नए बेंचमार्क स्थापित करेगी। श्री नाग एनसीएल मुख्यालय में सोमवार को पत्रकारों से मुखातिब थे।

कंपनी की भावी योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2019-20 तक एनसीएल को 110 मिलियन टन कोयला उत्पादन करना है, जिसके लिए एनसीएल ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस लक्ष्य को देखते हुए, जंयत एवं दुधिचुआ परियोजनाओं की सालाना कोयला उत्पादन क्षमता को क्रमश: 10 मिलियन टन से बढ़ाकर 20 मिलियन टन किए जाने तथा ब्लॉक बी परियोजना की सालाना कोयला उत्पादन क्षमता को 3.5 मिलियन टन से बढ़ाकर 8 मिलियन टन किए जाने की प्रकिया चल रही है। बीना-ककरी परियोजनाओं को एकीकृत कर उसकी कुल क्षमता 10 मिलियन टन किए जाने तथा कंपनी की 2 मिलियन टन की नई सेमरिया ओपन कास्ट परियोजना शुरू किए जाने की दिशा में भी एनसीएल तेजी से प्रयासरत है।

श्री नाग ने जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष के दौरान एनसीएल को 8 मिलियन टन अतिरिक्त कोयला उत्पादन की पर्यावरण स्वीकृति हासिल हुई, जिसमें जयंत एरिया को 1, दुधिचुआ को 1.5, ककरी को 0.70, झिंगुरदा को 0.80, ब्लॉक-बी को 0.25, अमलोरी को

0.50, खड़िया को 2 और कृष्णशिला को 1.25 मिलियन टन अतिरिक्त कोयला उत्पादन की पर्यावरण स्वीकृति शामिल है। इस प्रकार कंपनी के पास अब कुल 90 मिलियन टन कोयला उत्पादन करने की पर्यावरण स्वीकृति है, जो कंपनी के चालू वित्त वर्ष के कोयला उत्पादन लक्ष्य के बराबर है। यानी नए वित्त वर्ष में कोयला उत्पादन की राह में पर्यावरण स्वीकृति आड़े नहीं आएगी।

श्री नाग ने बताया कि वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान कंपनी की विशिष्ट उपलब्धियों में भारी मशीनों एवं उनके स्पेयर पार्ट्स की कमी को दूर किए जाने का भी बड़ा योगदान रहा है। इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी ने लगभग 752 करोड़ रुपये की मशीनें खरीदीं, जिनमें 14 डोज़र, 6 शॉवेल, 7 ड्रिल और 10 व्हील ड्रिल शामिल हैं। साथ ही, कंपनी ने स्पेयर पार्ट्स और कंज्युमेबल आइटम्स की खरीद पर लगभग 650 करोड़ रुपये खर्च किए।

उन्होंने बताया कि राष्ट्र के लिए कोयला उत्पादन के अलावा एनसीएल की गिनती निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) एवं पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाली कंपनियों में होती है। वित्त वर्ष 2016-17 में कंपनी ने सीएसआर से जुड़े कार्यों पर लगभग 70 करोड़ रूपये खर्च किए। वित्त वर्ष 2016-17 में कंपनी ने 146 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 3 लाख 80 हजार पौधे लगाए और इसके साथ ही कंपनी द्वारा अब तक किए गए पौधारोपण की संख्या बढ़कर लगभग 2 करोड़ 34 लाख हो गई है। एनसीएल के पौधारोपण कार्य केएमएल (कीहोल मार्कअप लैंग्वेज) तकनीक के माध्यम से गूगल अर्थ पर उपलब्ध हैं तथा केंद्रीय पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय गूगल अर्थ के ही जरिये इन कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग भी करता है। पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप भूमिगत जल की देखरेख के लिए कंपनी ने 8 खदानों में 48 पीज़ोमीटर लगाए हैं, जिनके माध्यम से भूमिगत जल के स्तर और गुणवत्ता की लगातार जांच की जा रही है।

श्री नाग ने कहा कि वित्त वर्ष 2016-17 में कंपनी की कल्याणकारी गतिविधियां भी सुचारू रूप से संपन्न कराई गईं। विभिन्न परियोजनाओं में 5 डी-टाइप, 49 सी-टाइप और 339 बी-टाइप नए आवासों के निर्माण कार्य के साथ-साथ 3528 आवासों की थौरो रिपेयरिंग के कार्य संपन्न कराए गए हैं। अमलोरी को नया कार्यालय एवं कल्याण मंडप मिला। एनसीएल पहली बार कोल इंडिया अंतर कंपनी क्रिकेट एवं फुटबॉल प्रतियोगिताओं की विजेता बनी तथा कोल इंडिया अंतर कंपनी हॉकी प्रतियोगिता का खिताब भी जीता। वित्त वर्ष 2015-16 में विभिन्न

Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिंगरौली कोलियरी,
जिला- सिंगरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro.ncl@coalindia.inwebsite : www.nclcil.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

कोल इंडिया अंतर कंपनी खेल प्रतियोगिताओं में एनसीएल के सिर्फ तीन खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि 2016-17 में व्यक्तिगत एवं टीम स्पर्धाओं में कंपनी के 53 खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते। एनसीएल एडेड स्कूलों को वित्त वर्ष के दौरान लगभग 30 करोड़ रूपये का डेफिसिट ग्रांट दिया गया तथा एनसीएल कर्मियों के वैसे बच्चे जो सरकारी कॉलेजों में मेडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं, उनकी लगभग 1 करोड़ 4 लाख रूपये की फीस रीइंबर्स की गई।

वित्त वर्ष के दौरान कंपनी के कार्यों को पुरस्कारों के जरिये भी सराहना मिली। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) को एक बार फिर से जाने-माने विश्वस्तरीय आईएसओ 9001:2008, आईएसओ 14001:2007 और ओएचएसएएस 18001:2007 प्रमाण-पत्रों से प्रमाणित किया गया। राजस्व एवं पुनर्वास (आरएंडआर) में बेहतरीन कार्य के लिए गत 1 नवम्बर को कोल इंडिया स्थापना दिवस पर एनसीएल को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। पर्यावरण एवं सीएसआर में उत्कृष्ट कार्य के लिए कंपनी को अलग-अलग बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज स्कॉच अवॉर्ड से नवाजा गया। पर्यावरण संरक्षण हेतु कंपनी को ग्रीनटेक अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ। हाल ही में, एनसीएल को 'कॉर्पोरेट विजिलेंस एक्सिलेंस अवॉर्ड' से नवाज़ा गया है।

गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2016-17 में एनसीएल ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए रेकॉर्ड 84.10 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया, 83.46 मिलियन टन कोयला प्रेषित किया। कंपनी को इस वित्त वर्ष के लिए 82 मिलियन टन कोयला उत्पादन एवं 82 मिलियन टन कोयला प्रेषण की जिम्मेदारी दी गई थी, जिसे कंपनी ने 26 मार्च को ही पूरा कर लिया था।

श्री नाग द्वारा पत्रकारों से बातचीत किए जाने के अवसर पर कंपनी की निदेशक (कार्मिक) सुश्री शांतिलता साहू, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री के पी वेंकटेश्वर राव, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री गुणाधर पांडेय, निदेशक (वित्त) श्री पी एस आर के शास्त्री तथा निदेशक तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री जे एल सिंह उपस्थित थे।

Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिगंरौली कोलियरी,
जिला- सिगंरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro.ncl@coalindia.inwebsite : www.nclcil.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

वित्तीय वर्ष 2017-18 में परियोजनावार कोयला उत्पादन एवं प्रेषण के लक्ष्य		
परियोजना	कोयला उत्पादन (मिलियन टन में)	कोयला प्रेषण (मिलियन टन में)
अमलोरी	11.50	11.50
बीना	7.5	7.5
दुधिचुआ	14.5	14.5
जयंत	15.00	15.00
झिंगुरदा	2.5	2.5
ककरी	2.35	2.35
खड़िया	9	9
निगाही	16	16
कृष्णशिला	6.25	6.25
ब्लॉक -बी	5.4	5.4
एनसीएल कुल	90	90

(सीरज कुमार सिंह)
सहायक प्रबंधक (जनसम्पर्क)